मुख्यमंत्री भजनलाल की माँ की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत भरतपुर के आर.बी.एम. अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ वो आई.सी.यू. में भर्ती हैं। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. विवेक भारद्वाज ने कहा कि, मुख्यमंत्री की माँ को लम्बे समय से साँस में तकलीफ, ब्लड प्रेशर एवं थायरॉयड की शिकायत रही है।

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा की मां की अचानक तबीयत खराब

- **आर.बी.एम. अस्पताल के आई.सी.यू. में भर्ती किया।**
- **वरिष्ठ फिज़ीशियन डॉ. विवेक भारद्वाज की टीम मुख्यमंत्री की मां की देखरेख कर रही है।**
- **मुख्यमंत्री के माता-पिता भरतपुर के जवाहर नगर में रहते हैं। उनकी मां को सांस लेने में तकलीफ के साथ रक्तचाप व थॉयरॉइड की भी समस्या है।**

भरतपुर, 16 अप्रेल (निसं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मां की अचानक तबियत खराब होने पर उन्हें भरतपुर के आर.बी.एम. अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मु.मंत्री की मां गोमती देवी को सांस लेने में तकलीफ बताई गई है। सीनियर चिकित्सकों की टीम, वरिष्ठ फिज़ीशियन डॉ. विवेक भारद्वाज की देख रेख में मुख्यमंत्री की मां की देखभाल कर रही है।

फिलहाल वे अस्पताल के आई.सी.यू. में भर्ती हैं।

अधीक्षक डॉ. नगेन्द्र भदौरिया एवं वरिष्ठ फिज़ीशियन डॉ. विवेक भारद्वाज ने बताया कि, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मां को लम्बे समय से सांस, ब्लड प्रेशर एवं थायराइड की परेशानी रही है। उन्हें बुखार एवं सांस लेने में परेशानी होने पर राजकीय आर.बी.एम. अस्पताल के आई.सी.यू. वॉर्ड में भर्ती किया गया है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मां गोमती देवी एवं पिता किशन स्वरूप शर्मा भरतपुर में जवाहर नगर कॉलोनी में रहते हैं।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा लोकसभा चुनाव को लेकर दो दिन पहले भरतपुर के दौरे पर आए थे और सोमवार को भरतपुर के बाजार में भाजपा उम्मीदवार रामस्वरूप कोली के समर्थन में रोड शो करने के बाद जयपुर चले गए थे।

अमेठी से भी चुनाव लड़ेंगे राहुल गांधी?

27 अप्रैल को राहुल गांधी अमेठी से नामांकन भर सकते हैं। इस सीट के लिए 26 अप्रैल से 3 मई तक नामांकन होना है

- **26 अप्रेल को वायनाड में वोटिंग के साथ ही राहुल गांधी इस सीट के चुनाव प्रचार की जिम्मेदायिों से मुक्त हो जायेंगे।**
- **अमेठी सीट से भाजपा ने एक बार फिर स्मृति ईरानी को टिकट दे दिया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी में लगातार चुनाव प्रचार में जुटी हुई हैं। ऐसे में राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते हैं तो मुकाबला दिलचस्प हो जाएगा।**

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कांग्रेस पार्टी पूरी दम खम से जुटी हुई है। पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को वोटिंग होनी है। कांग्रेस यूपी की 17 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रही है। अब तक वाराणसी, सीतापुर, इलाहाबाद समेत कई सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है। अभी तक कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली अमेठी और रायबरेली सीट पर उम्मीदवार की घोषणा नहीं कर पाई है। इन दोनों ही सीट पर उम्मीदवार कौन होगा, इसको लेकर सबकी निगाहें टिकी हुई है। वहीं कांग्रेस के सूत्रों की माने तो 27 अप्रैल को कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेठी से नामांकन कर सकते हैं। इस सीट पर 26 अप्रैल से 3 मई तक नामांकन होना है।

दरअसल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

वायनाड समेत केरल की सभी 20 सीटों पर दूसरे चरण यानी 26 अप्रैल को वोटिंग होनी है। कांग्रेस कैंडिडेट राहुल गांधी इस से इंडिया गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार होंगे। 2019 लोकसभा चुनाव में भी राहुल गांधी ने अमेठी के साथ साथ केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि राहुल गांधी अमेठी सीट से चुनाव हार गए थे, जबकि वायनाड सीट से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। माना जा रहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस बार भी केरल की वायनाड सीट के साथ ही उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट से भी चुनाव लड़ सकते हैं।

अमेठी सीट से उम्मीदवारी को लेकर हो रही देरी के पीछे वायनाड सीट पर 26 अप्रैल को होने जा रही वोटिंग को भी माना जा रहा है। कांग्रेस का गढ़ होने के कारण अमेठी और रायबरेली सीट पर गांधी परिवार को ही निर्णय लेना है।

सूत्रों की माने तो अमेठी से राहुल गांधी की चुनाव लड़ने जा रहे हैं। पार्टी नेताओं की भी यही मांग है। हालांकि वायनाड चुनाव में व्यस्त होने के कारण राहुल गांधी की सहमति नहीं मिल पा रही है। वायनाड सीट पर इस बार त्रिकोणीय मुकाबला है।

'के.सी.आर. ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपनी पुत्री को रिहा करवाने के बदले में तेलंगाना में 5 सीटें जितवाने में भाजपा की मदद करेंगे। उनकी पुत्री कविता दिल्ली शराब घोटाले में फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

रेड्डी ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बी.आर.एस. और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच एक डील हुई है, जिसके तहत राव अपनी पुत्री की रिहाई को लेकर भाजपा के लिए तेलंगाना की पाँच लोकसभा सीटों पर जीत सुनिश्चित करेंगे।

इसीलिए, रेड्डी ने जिन पाँच सीटों का नाम लिया, वहाँ बी.आर.एस. नेताओं की चुनाव प्रचार से अनुपस्थिति सुस्पष्ट थी।

वास्तव में ये लोग पर्दे के पीछे गुप्त रूप से भाजपा प्रत्याशियों की जीत के लिए प्रचार कर रहे हैं।

रैवन्त रेड्डी ने कहा कि "हमने विधानसभा चुनाव में गडवाल में यादव समुदाय की सरिता थिरूपथियाह को मैदान में उतारा था, लेकिन भाजपा नेता डी.के. अरूणा ने बी.आर.एस. से मिलीभगत कर बी.आर.एस. के रेड्डी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित की और अब बी.आर.एस. पाँच लोकसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत के लिए जी-तोड़ प्रयास कर रही है, यदि सरिता जीत जाती तो आज मंत्री होती।

डॉ. पूनिया चार दिन जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र में प्रवास करेंगे

डॉ. सतीश पूनिया ने 21 अप्रैल को प्र.मंत्री की जनसभा की तैयारियां देखीं

- **पूनिया ने सभा की तैयारियों के संबंध में कोर कमेटी की बैठक ली और सभास्थल जाकर तैयारियों का जायजा लिया।**
- **इसी बीच, 18 अप्रैल को डॉ. पूनिया बांसवाड़ा जाएंगे प्रचार के लिए और 19 को जयपुर में मतदान के बाद पुनः भीनमाल पहुंचेंगे।**

जयपुर, 16 अप्रैल (का.सं.)। भाजपा हरियाणा प्रदेश लोकसभा प्रभारी एवं राजस्थान में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का आज, 16 अप्रैल से लेकर 22 अप्रैल तक राजस्थान के विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार का कार्यक्रम है।

अपने सात दिवसीय राजस्थान प्रवास में डॉ. पूनिया जालोर-सिरोही, बांसवाड़ा और बाड़मेर लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 21 अप्रैल को भीनमाल (जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र) में आयोजित होने वाली आमसभा की तैयारियों को लेकर डॉ. सतीश पूनिया ने आज भीनमाल में जालौर -सिरोही लोकसभा क्षेत्र की कोर कमेटी की बैठक ली तथा मोदी की आमसभा को ऐतिहासिक बनाने के बारे में चर्चा की।

बैठक में सांसद देवजी पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जिला अध्यक्ष श्रवण राव, सुरेश कोठारी, पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल, जगसीराम कोली, पूराराम चौधरी सहित पार्टी के सभी प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री की आमसभा को लेकर डॉ. पूनिया 17 अप्रैल को सुबह 11 बजे भीनमाल में जालोर- सिरोही लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।

डॉ. पूनिया 18 अप्रैल को बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार करेंगे। फिर 19 अप्रैल को जयपुर में मतदान कर भीनमाल के लिये प्रस्थान करेंगे, जहां वे 19 व 20 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमसभा की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ मैराथन बैठकें लेकर रणनीति पर चर्चा करेंगे।

21 अप्रैल को डॉ. पूनिया भीनमाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमसभा में शामिल होंगे, इसके बाद 22 अप्रैल को बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

'आयरलैण्ड में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हूँ, यह राजदूत एक "करियर डिप्लोमेट" है और इस कारणवश इसकी टिप्पणियाँ और भी ज्यादा शर्मनाक, अशोभनीय और अस्वीकारणीय हैं। उसने सेवा नियमों को तोड़ा है और उसे तुरन्त नौकरी से निकाल देना चाहिए।"

राजदूत की टिप्पणियों पर अफसोस जताते हुए कांग्रेस नेता ने आलोचना को "मोदी सरकार के प्रचलित तौर-तरीकों का अंग" बताया।

सोशल मीडिया एक्स पर राजदूत के प्रत्युत्तर को शेयर करते हुए आयरलैंड के भारतीय दूतावास ने कहा कि, "यह प्रत्युत्तर, आईरिश टाइम्स में छपे एक पक्षपाती और पूर्वाग्रही संपादकीय आलेख के जवाब में दिया गया था। आईरिश टाइम्स में छपा आलेख "मोदी टाइटन्स हिज़ ग्रिप" (मोदी ने और ज्यादा नियंत्रण किया) नामक एक संपादकीय लेख ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय प्रजातंत्र, लॉ एनफॉर्समैंट संस्थाओं और भारत के हिन्दू बहुसंख्यकों को अपमानित किया गया था।"

लखनऊ के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभ्यर्थियों के नाम हैं। सफल अभ्यर्थियों में 347 सामान्य वर्ग के, 115 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के, 303 अन्य पिछड़ा वर्ग, 165 अनुसूचित जाति और 86 अनुसूचित जनजाति वर्ग के हैं।

सुप्रीम कोर्ट बैलट पेपर से मतदान के पक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामान्यतया कोई मानवीय दखल नहीं होता है इसलिए वह आपको सटीक परिणाम देगी। हां, समस्या तब उत्पन्न होती है जब मशीन में मानवीय हस्तक्षेप होता है अथवा इसमें अनाधिकृत रूप से बदलाव किए जाते हैं जब वो सॉफ्टवेयर या मशीन के इर्दगिर्द होते हैं। यदि इसके खिलाफ आपके पास कोई सुझाव है तो आप हमें दे सकते हैं।"

बैंच की इसके समय को लेकर अपनी कुछ मन्तव्य कि इसमें काफी समय लगेगा, जब भूषण ने कहा कि ई.वी.एम.के माध्यम से मतदान की वर्तमान प्रणाली के तहत मतदाता को वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रैल (वी.वी.पी.ए.टी.) के द्वारा सृजित स्लीप को देखने की इजाज़त मिलनी चाहिए ताकि मतदाता को यह सुनिश्चित हो सके कि उसने जो वोट डाला उसका इंद्राज सही तरीके से हो गया है और यह उस स्लिप के संलग्न बाक्स में गिरने से पहले सुनिश्चित हो।

बैंच भूषण की इन दलीलों से प्रभावित नहीं हुई, प्रतीत हुई कि यूरोपीय राष्ट्र जैसे जर्मनी जहां पर पहले ई.वी.एम. का उपयोग किया गया था वह वापस बैल्ट पेपर से वोटिंग पर वापस लौट गया है। जस्टिस खन्ना ने इस और ध्यान खिंचा कि जर्मनी में लगभग 5 से 6 करोड़ कुल मतदाता है जबकि भारत में लगभग 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता है। न्यायाधीश दत्ता ने भी कहा कि, "मेरे गृह राज्य पश्चिम बंगाल की ही बात करें तो उसकी भी जनसंख्या जर्मनी से काफी अधिक है। हमें पुन: किसी में भरोसा व विश्वास पुर्नस्थापित करना होगा। इस तरह से इस प्रचलित प्रक्रिया को नीचे गिराने की कोशिश नहीं करें।"

एक याचिकाकर्ता की ओर से उपस्थित वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायण ने जब यह उल्लेख किया कि वर्ष 2019 में डाले गए वोटों की गिनती में विसंगति पाई गई थी जिनकी कुछ स्थानों पर गिनती की गई थी, इस पर न्यायाधीश खन्ना ने कहा कि जब आप हाथों से गिनती करते हैं तो गिनती में संख्या भिन्न आती है।

शंकरनारायण ने कहा कि इस मामले पर गठित संसदीय समिति ने इस विसंगति का संज्ञान लिया था, परन्तु पिछले चार वर्षों से अब चुनाव आयोग ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया है।

जब बैंच ने कहा कि मुकाबले में जो प्रत्याशी हैं उन्हें मालूम होना चाहिए कि कितने वोट पड़े हैं और गणना के बाद कितने वोटों की संख्या कितनी है तो गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि वे प्रत्याशी के लिए नहीं बल्कि मतदाता के लिए आए हैं क्योंकि उसे यह जानने का मूल अधिकार है कि क्या उसने जहां वोट दिया था उसका वोट वहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि वोटर अगर ऐसी कोई पूछताछ करता है तो इसे दण्डनीय अपराध माना जाता है और अगर गलत निकला तो 6 माह की कैद व जुर्माना या दोनों हो सकता है।

सुनवाई के दौरान बैंच ने चुनाव आयोग से कई सवाल किया क्या मतदान केन्द्रों पर सी.सी. टी वी कैमरा लगाए जाएंगे। आयोग ने बैंच को बताया कि 50 प्रतिशत बूथ पर सी.सी. टी वी कैमरा लगाए गए हैं।

बैंच ने यह भी पूछा कि क्या उन अधिकारियों पर कार्यवाही करने का कोई कानून है जो ई.वी.एम.में गड़बड़ करते हैं क्योंकि अगर कड़े दंड का डर नहीं होगा तो गड़बड़ी करने की संभावना बनी रहेगी। आयोग के वकील मनिंदर सिंह ने बैंच से कहा, मान लीजिए कोई गड़बड़ी हुई है तो क्या दंड निर्धारित है। यह गंभीर बात है। डर तो होना ही चाहिए कि यदि कुछ गलत हुआ है तो सजा मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स व अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें ई.वी.एम. डेटा और वी.वी.पी.ए.टी. डेटा को क्रॉस चैक करने की मांग की गई थी। अभी देश के मात्र दो प्रतिशत मतदान केन्द्रों पर ही ऐसा होता है।

सुनवाई 2 घंटा चली और अगली सुनवाई गुरूवार 18 अप्रैल को होगी।

सुरजेवाला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

48 घंटे तक किसी प्रकार की सार्वजनिक सभा आयोजन नहीं करने, जुलूस, आम रैली, रोड शो नहीं करने, साक्षात्कार नहीं देने, (मीडिया इलैक्ट्रोनिक प्रिंट, सोशल मीडिया) में भी सार्वजनिक बयानबाजी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में 29 नक्सलियों की मौत

कांकेर के जंगलों में तलाशी अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरु कर दी

रायपुर, 16 अप्रेल। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ एक अभूतपूर्व ऑपरेशन को अंजाम दिया। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि कांकेर जिले के छोटेबेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत हापाटोला गांव के जंगल में एक तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान नक्सलियों की ओर से हमला किया गया जिसके जवाब में अंजाम दी गई कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया।

बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि सुरक्षाबलों को एक तगड़ा खुफिया इनपुट मिला था कि उत्तरी बस्तर डिवीजन के नक्सली शंकर, ललिता, राजू समेत अन्य माओवादी माओवादियों के छोटेबेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीनागुंडा और कोरोनार गांवों के मध्य हापाटोला गांव के आसपास मौजूद हैं। इस खुफिया जानकारी के बाद छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में बीएसएफ और जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की संयुक्त टीम एक्टिव हुई। यह टीम तलाशी अभियान पर रवाना हुई।

यह टीम मंगलवार को दोपहर लगभग दो बजे हापाटोला गांव के जंगल में बेहद सधे कदमों से आगे बढ़ रही थी। इसी दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसमें 29 नक्सली मारे गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल से 29 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। नक्सलियों के पास से एके-47 राइफल, एसएलआर राइफल, इंसास राइफल और 303 बंदूकों समेत भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किए गए हैं।

बताया जाता है कि मुठभेड़ में तीन जवान भी घायल हुए हैं। हालांकि जवानों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। गौर करने वाली बात यह कि चुनावी माहौल को देखते हुए नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में बड़ी संख्या में बीएसएफ के जवानों की तैनाती की गई थी। बताया जाता है कि ऑपरेशन में बीएसएफ और डीआरजी के बीच तगड़ा कोऑर्डिनेशन देखने को मिला। यह भी माना जा रहा है कि शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए सुरक्षाबलों के बीच इस तरह का तगड़ा तालमेल बेहद कारगर साबित होगा।

गौरतलब है कि यह घटनाक्रम छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंस से कुछ दिन पहले आया है। बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 19 अप्रैल को पहले चरण के तहत वोट डाले जाएंगे। कांकेर में 26 अप्रैल को दूसरे चरण के तहत राजनांदगांव और महासमुंद के साथ मतदान होगा।

दिसंबर 2023 से कांकेर समेत सात जिलों वाले बस्तर रीजन में सुरक्षा बलों के साथ विभिन्न मुठभेड़ों में अब तक 68 नक्सली ढेर हो चुके हैं। सनद रहे हाल ही में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद के खात्मे की डेड लाइन दी थी।

पायलट ने मुरारीलाल मीणा के लिए चाकसू में रोड शो किया

रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी, "सचिन आई लव यू" के नारे से लोगों ने आसमान गुंजाया

- **लोग पायलट की एक झलक पाने को बेताब नज़र आए, जनता ने पायलट पर जमकर पुष्प वर्षा की।**
- **खुली जीप में पायलट के साथ दौसा के कांग्रेस प्रत्याशी मुरारीलाल मीणा, पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी व अन्य नेता नज़र आए।**
- **पायलट ने जयपुर के खो नागोरियान में जयपुर शहर के प्रत्याशी प्रतापसिंह खाचरियावास के पक्ष में भी जनसभा की और जनता से उन्हें जिताने की अपील की।**
- **सभा में विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, पूर्व विधायक गंगा देवी, सांगानेर के प्रत्याशी पुष्पेन्द्र भारद्वाज सहित कई नेताओं ने शिरकत की।**

चाकसू, 16 अप्रेल (निसं)। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने मंगलवार को कांग्रेस के दौसा लोकसभा प्रत्याशी मुरारी लाल मीणा के समर्थन में चाकसू कस्बे में रोड शो किया। रोड शो महात्मा ज्योतिबा फूले सर्किल पर ज्योतिबा फुले की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं स्वागत सत्कार के साथ शुरू हुआ और टोंक रोड होते हुए अंबेडकर सर्किल से प्रधान कार्यालय पर जाकर खत्म हुआ।

तय समय से 2 घंटे देर से पहुंचने के बाद भी लोगों में पायलट के प्रति भारी उत्साह देखा गया। लोगों ने जब पायलट पर फूल बरसाए तो पायलट ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया। पायलट ने जब हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया तो जनता ने "सचिन पायलट आई लव यू" के नारे लगाए।

पायलट के स्वागत के लिए रोड शो से पहले पूरे रास्ते पर कांग्रेस के पोस्टर, बैनर लगाए गए एवं जगह-जगह स्वागत द्वार तथा मंच बनाए गए, जिन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। लोग पायलट की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे और जगह जगह उनपर फूलों की बारिश की गई। सचिन पायलट के साथ खुली जीप में पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, कांग्रेस नेता शिवप्रताप हरसाना, पालिका अध्यक्ष कमलेश बैरवा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने जयपुर से कांग्रेस उम्मीदवार प्रताप सिंह खाचरियावास के समर्थन में जगतपुरा के खो नागोरीयान में हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि, पूरे देश में माहौल बदल रहा है, महंगाई बेरोजगारी गरीबी के मुद्दे पर लोग कांग्रेस के साथ खड़े हो गए हैं, ऐसे में यदि राजस्थान की राजधानी से कांग्रेस उम्मीदवार जीतता है, तो देश में कांग्रेस की सरकार बनना तय है।

पायलट ने कहा कि, हम लोगों ने सामूहिक रूप से यह फैसला किया कि प्रताप सिंह खाचरियावास को जयपुर से लोकसभा का चुनाव लड़वाया जाए। उन्होंने कहा कि, प्रताप सिंह खाचरियावास की जीत सचिन पायलट सहित पूरी पार्टी की जीत होगी, जीत में हम सब की भागीदारी है। इस वक्त देश लोकसभा में प्रताप सिंह खाचरियावास जैसे जनता से जुड़े नेताओं को देखना चाहता है। प्रताप सिंह खाचरियावास जीतेंगे तो जयपुर का मान सम्मान बढ़ेगा, जयपुर का मतदाता समझदार है। भाजपा की उम्मीदवार को ना तो जनता जानती है और ना ही उनका जयपुर की जनता से कोई जुड़ाव है और ना ही उनका कोई जयपुर में किसी प्रकार का योगदान है।ऐसे में प्रताप सिंह खाचरियावास की जीत से राजस्थान और देश को फायदा होगा।

पायलट ने कहा कि, "400 पार" का भाजपा का नारा फेल हो रहा है, जयपुर सहित राजस्थान में 15 सीटों पर कांग्रेस आगे चल रही है, हम निश्चित रूप से भाजपा से ज्यादा सीटें जीतने जा रहे हैं। पायलट ने लोगों से प्रताप सिंह खाचरियावास को जिताने की अपील करते हुए कहा कि, आप सब मिलकर 19 अप्रैल को कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें।

इस अवसर पर विधायक रफीक खान, अमीन कागज़ी, गंगा देवी, अर्चना शर्मा, पुष्पेंद्र भारद्वाज आदि ने भी सभा को संबोधित किया। आज की सभा में हजारों की तादाद में नागरिकों के साथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, वॉर्ड अध्यक्ष, पार्षद, एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मंगलवार को चाकसू में कांग्रेस उम्मीदवार मुरारी लाल मीणा के समर्थन में रोड शो किया। करीब एक किलोमीटर के इस रोड शो के दौरान लोगों में पायलट के प्रति भारी उत्साह देखा गया, लोगों ने जगह-जगह फूल बरसाकर पायलट का स्वागत किया। पायलट ने भी उत्साहित भीड़ का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। इस अवसर पर पायलट के साथ पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी एवं पालिका अध्यक्ष कमलेश बैरवा सहित कई नेता मौजूद थे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908